ि कःसा चुदाई ि क रात

उस रात मेरे मन में ना जाने क्या झमेला था

क्यों ि क मैं घर पर एकदम अकला था

अकलेपन में मैं तन्हाई क गीत गुनगुना रहा था

और बीच बीच में अपने लन्ड को भी ि हला रहा था

क्यों ि क ि कसी कन्या क ख्याल आते ही ये ि दल बड़ा हो जाता है

ये मासूम लन्ड भी इसकी तमन्ना समझते हए खुद ही खड़ा हो जाता है

अब है तो खड़ा होगा ही

छोटा है तो बड़ा होगा ही

अचानक मुझे लगा ि क कोई बुदबुदा रहा है

ि दमाग गंदा हो तो लगता है ि क कोइ चुदवा रहा है

मैने दरवाजा खोला तो वहां एक गोरी थी

उसक मम्में और गान्ड दे ख कर लग रहा थी ि क आज तक कोरी थी

मैने उसे अपने घर में अन्दर बुला ि लया

ठं ड बहत थी सो मैने कन्डा लगा ि दया

मैने माज़रा पूछा तो पता चला वो रा:ता भूल गयी

मेरी ि हम्मत भी उसकी हालत दे ख क खुल गयी

मैने उसे बाहों में भर ि लया था

क्यों ि क उसे चोदने का पक्का इरादा कर ि लया था

वो मेरी बांहों में आकर शरमा रही थी

और मेरी सांसों की गरमी से वो भी गरम हई जा रही थी

मैने धीरे से एक हाथ उसक मम्मों पर धर ि दया

इन हाथों ने ही उसका सारा काम कर ि दया

मेरा दसरा हाथ उसकी चूत पे था

और धयान उसक सूट पे था
आिखर उसकी जवानी को जो संवारना था
इसिलये उसका सूट भी उतारना था
मैनें उसकी कमीज़ उतार कर मम्म दबाने शुरू कर िदये
सलवार को अलग िकया और शोट लगाने शुरू कर िदये
वो आहें भर कर मज़ा दे रही थी
या यूं कहें िक लड़की होने की सज़ा ले रही थी
मेरा लन्ड उसकी चूत क अन्दर था
ये भी मज़ का एक मंजर था
वो कह रही थी िक चोदते रहो चोदते रहो और चूत को फ़ाड़ डालो
आज अपने लन्ड से मेरी चूत में झण्डे गाड़ डालो
मैं भी पूरे दम से उसे चोदे जा रहा था
और चूत चुदाई क इस खेल में दोनों को मज़ा आ रहा था
मेरे लन्ड से पानी िनकला तो वो संतु हो गयी
नंगी ही वो मुझसे िलपट क सो गयी
थोड़ी दे र बाद उसने मेरे लन्ड को पकड़ िलया
मुझे कछ समझ आता इससे पहले ही अपने होठों में जकड़ िलया
वो मेरे लन्ड को चूस रही थी इसिलये लन्ड खड़ा हो गया
एक बार िफ़र से ये लन्ड चुदाई क िलये खड़ा हो गया
अब उसे अपनी गाण्ड मुझसे मरवानी थी
उसकी चूत िक तरह उसकी गाण्ड भी सुहानी थी
मैने भी पूरी पावर से अपना लन्ड उसकी गाण्ड में डाला
और एक ही बार में उसकी गाण्ड को फ़ाड़ डाला
उसकी चीख ने मुझे झन्झोड़ िदया
साथ ही मेरे लन्ड ने एक बार िफ़र पानी छोड़ िदया

अब मुझे पता चला मैं कहां था
िजसमें मैं था वो एक दसरा ही जहां था
मैने गाण्ड और चूत दोनो ही मारी थी
लेिकन यारो सच जो ये है िक मैनें सपने में मुठ मारी थी
मेरा अन्डरिवयर एकदम गीला हो गया था
मुठ इतनी जोर से मारी िक लन्ड भी नीला हो गया था
यारो सपना ही सही लेिकन मज़ा तो िकया
अपने लन्ड को चूत क अन्दर तो िकया
तो दोःतो ! चोदो, चुदाओ और अपनी लाइफ़ को खुशहाल बनाओ